केंद्रीय हिंदी संस्थान

एवं

संस्कार भारती

के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित

अंतरराष्ट्रीय साहित्य संगोष्ठी

साहित्य सृजन से राष्ट्र अर्चन

दिनांक : 4-5 फरवरी, 2018

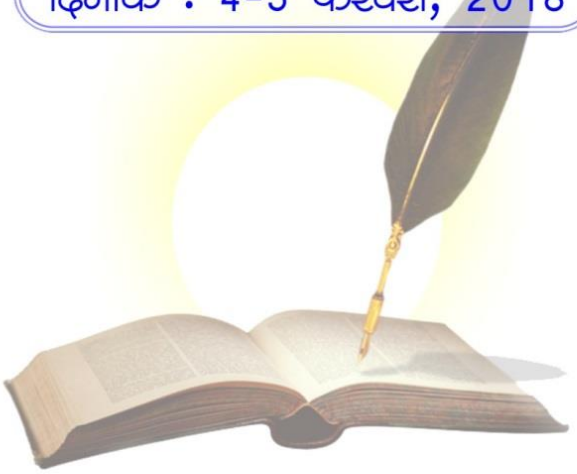

प्रो॰ नन्द किशोर पाण्डेय
निदेशक
केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा
मो॰ 9468585258

अजय अवस्थी
(सह संयोजक)
मो॰ 9760002607
ई–मेल : ajay.awasthi1@gmail.com

राज बहादुर सिंह 'राज'
अ॰भा॰ साहित्य संयोजक
संस्कार भारती
मो॰ 9761766633

कार्यक्रम-स्थान

अटल बिहारी वाजपेयी अंतरराष्ट्रीय सभागार
केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा

साहित्य संगोष्ठी के विषय

- भारतीय साहित्य में राष्ट्रीयता
- भारतीय भाषाओं में राष्ट्रीय भाव
- साहित्य-सृजन से राष्ट्र अर्चन
- कलाओं के संवर्द्धन में साहित्यकार की भूमिका

संगोष्ठी में आमंत्रित प्रमुख विद्वान

- प्रो० कमल किशोर गोयनका, उपाध्यक्ष, केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल
- प्रो० दुर्ग सिंह चौहान, कुलपति जी०एल०ए० विश्वविद्यालय, मथुरा
- डॉ सच्चिदानंद जोशी, सदस्य-सचिव, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, नई दिल्ली
- श्री बल्देव भाई शर्मा, अध्यक्ष, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, नई दिल्ली
- डॉ० रिपुसूदन श्रीवास्तव, पूर्व कुलपति, बी०एन० मंडल विश्वविद्यालय, मधेपुरा
- प्रो० अनंत कुमार नाथ, अध्यक्ष, हिंदी विभाग, केंद्रीय विश्वविद्यालय, तेजपुर
- प्रो० हरमहेंद्र सिंह बेदी, अमृतसर
- श्री सतीश विमल, आकाशवाणी, श्रीनगर
- श्री हितेश शंकर, संपादक पांचजन्य
- श्री राजनारायण शुक्ल, अध्यक्ष उ०प्र० भाषा संस्थान, लखनऊ
- श्री अशोक बत्रा, रोहतक

मार्गदर्शक

- मा० योगेंद्र जी, संस्थापक संरक्षक, संस्कार भारती
- मा० बाँकेलाल गौड़, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, संस्कार भारती
- डॉ० अरविंद दीक्षित, कुलपति, डॉ० भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा
- डॉ० गिरीशचंद्र सक्सेना, पूर्व कुलपति, डॉ० भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा

संरक्षक

श्री सुभाष अग्रवाल, डॉ० महेश भार्गव, प्रो० अश्वनी कुमार श्रीवास्तव, स्क्वॉड्रन लीडर ए०के० सिंह, पी०एल० शर्मा, सुश्री राज्यश्री बनर्जी (सहायक निदेशक, आगरा आकाशवाणी)

संयोजक मंडल

कें०हिं०सं० से - अनुपम श्रीवास्तव (संयोजक), डॉ० सपना गुप्ता (सह-संयोजक)
संस्कार भारती से - डॉ० मधु भारद्वाज, डा० आर०एस० तिवारी, डॉ० गंभीर सिंह, सी०ए० नितेश गुप्ता, श्रीचंद वर्मा, एस०के० मिश्रा, राम अवतार यादव, संजय अग्रवाल, अमी आधार निडर, डॉ० शैलबाला, संजीव वशिष्ठ, ताहिर सिद्दीकी

केंद्रीय हिंदी संस्थान

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत सन् 1960 में स्थापित एक स्वायत्तशासी शैक्षिक संस्था है। इसका संचालन मंत्रालय के भाषा प्रभाग (उच्चतर शिक्षा विभाग) के अंतर्गत स्वायत्त संगठन केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल द्वारा किया जाता है। संस्थान का मुख्यालय आगरा में स्थित है तथा इसके आठ क्षेत्रीय केंद्र दिल्ली, हैदराबाद, गुवाहाटी, शिलांग, दीमापुर, मैसूर, भुवनेश्वर और अहमदाबाद में संचालित हैं।

संस्थान मुख्यतः हिंदीतर राज्यों एवं विदेशों के हिंदी शिक्षार्थियों को हिंदी शिक्षण एवं शिक्षण प्रशिक्षण प्रदान करने, हिंदीतर राज्यों के हिंदी अध्यापकों के लिए नवीकरण कार्यक्रमों का आयोजन करने तथा अपने कार्यक्षेत्र से संबंधित अनुसंधान एवं विकासपरक (शिक्षण सामग्री निर्माण) गतिविधियों का संचालन करने का कार्य करता है।

संविधान की धारा 351 के तहत प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए यह संस्थान अखिल भारतीय भाषा के रूप में हिंदी के विकास का कार्य करता है और ऐसे पाठ्यक्रमों का समन्वयन, आयोजन एवं संचालन करता है जो इस उद्देश्य की पूर्ति करें।

संस्थान की गतिविधियों के **प्रमुख क्षेत्र इस प्रकार हैं-** • विभिन्न स्तरों पर हिंदी शिक्षण की गुणवत्ता में सुधार; • हिंदी अध्यापकों का प्रशिक्षण; • हिंदी भाषा और साहित्य में उच्च अध्ययन के लिए व्यवस्थाएँ करना; • अन्य भारतीय भाषाओं के साथ हिंदी में तुलनात्मक-भाषावैज्ञानिक अध्ययन को बढ़ावा देना; • विभिन्न स्तरों पर पाठ्य-पुस्तकों, अध्येता कोशों का निर्माण, संदर्भिकाओं और शोध-अभिमुखी सामग्री, विशेष एवं प्रसार व्याख्यानों, संगोष्ठियों के कार्यवृत्त आदि का प्रकाशन; • संस्थान के प्रचलित मानदंडों के अनुरूप अध्येतावृत्तियों, पुरस्कारों का प्रावधान करना; • देश-विदेश में हिंदी भाषा के अनुप्रयोग तथा इससे संबंधित कार्यों को बढ़ावा देना।

समग्रतः यह संस्थान हिंदी भाषा के शैक्षणिक उन्नयन के साथ-साथ इसके बहुआयामी संवर्धन से संबंधित कार्यों में संलग्न है।

संस्कार भारती

साहित्य और कलाओं के माध्यम से राष्ट्रीयता की चेतना को जगाने का संकल्प लेकर भारतवर्ष के राष्ट्रवादी कलाप्रेमियों ने उद्देश्यपूर्ण कलाओं की सृजनात्मकता और सामाजिकता को ध्यान में रखकर सन् 1981 में लखनऊ नगर में संस्कार भारती की स्थापना की। विधिवत् स्थापना के बाद संस्कार भारती के उत्तरोत्तर विस्तार एवं विकास की यात्रा में इसे देश भर के अनगिनत कलाकारों का स्नेह मिला, सम्मान और सहभाग मिला। तब से लेकर अब तक 37 वर्षों की यात्रा में गुजरात से मिजोरम और केरल से जम्मू-कश्मीर तक विस्तृत होकर लगभग एक हज़ार इकाइयों और आठ कला विधाओं (साहित्य, संगीत, नाटक, नृत्य, चित्रकला, शिल्प कला, लोक कला भू अलंकरण), दो विभागों (मातृशक्ति और प्रशिक्षण), दो आयामों (बालकला और वनवासी कला) के माध्यम से समाज को ममता, समता और समरसता से संपन्न एक अविरल प्रवाह बनाना चाहती है - संस्कार भारती। साहित्य और ललित कलाओं के माध्यम से भारतीय संस्कृति का दर्शन, प्रदर्शन और संवर्धन के लिए है - संस्कार भारती।

संस्कार भारती की मान्यता है कि साहित्य और कला राष्ट्र की सेवा, आराधना और पूजा का एक सशक्त माध्यम है। इनका व्यक्तिगत, सामाजिक और राष्ट्रीय जीवन में महत्वपूर्ण स्थान है। साहित्य और कला वस्तुतः एक साधना-एक समर्पण है। ये प्रकृति की सुंदरतम और सर्वप्रभावी संवाहिकाएं हैं। न तो ये उपभोग की वस्तु हैं और न ही सत्ता तथा धन की चेरी हैं। कला 'केवल कला के लिए' नहीं है। कला केवल मनोरंजन के लिए नहीं अपितु लोक-मन को संस्कारित करने के लिए है। कला वह है जो विमुक्ति प्रदान करे। यही संस्कार भारती की गतिविधियों का ध्येय है।

कार्यक्रम विवरण

दिनांक 04 फरवरी 2018

पूर्वाह्न 10.00 बजे से 11.30 बजे : भारतीय साहित्य में राष्ट्रीयता

अध्यक्ष - प्रो. दुर्ग सिंह चौहान
सान्निध्य - डॉ. सच्चिदानंद जोशी, डॉ. जय सिंह नीरद
संयोजन - डॉ. अमी आधार निडर

पूर्वाह्न 11.45 बजे से 01.00 बजे : साहित्य संयोजक एवं शोधार्थी परिचय-परिचर्चा

राष्ट्र गीत

अपराह्न 02.30 बजे से 04.30 बजे : उद्घाटन सत्र

उद्घाटनकर्ता - श्री राम नाईक, माननीय राज्यपाल, उत्तर प्रदेश
अध्यक्ष - डॉ. कमल किशोर गोयनका, माननीय उपाध्यक्ष, कें.हिं.शि. मंडल
स्वागताध्यक्ष - डॉ. राम अवतार शर्मा, पूर्व कुलसचिव, डा. भी.आं. विश्वविद्यालय, आगरा एवं संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी
विषय प्रवर्तक - श्री रवींद्र भारती, अखिल भारतीय सह महामंत्री, संस्कार भारती
आभार वक्तव्य - प्रो. नन्द किशोर पाण्डेय, निदेशक, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा
संयोजन - श्री राज बहादुर सिंह 'राज'

सायं 6.00 बजे से 8.00 बजे तक : कला दर्शन

भाव नृत्य, ताल कचहरी तथा केंद्रीय हिंदी संस्थान की प्रस्तुति
संयोजन - प्रो. बीना शर्मा

राष्ट्र गान

दिनांक 05 फरवरी 2018

प्रथम सत्र : प्रात: 08.30 बजे से 10.00 बजे तक
विषय - भारतीय भाषाओं में राष्ट्रीय भाव

अध्यक्ष - प्रो. हरमहेंद्र सिंह बेदी
सान्निध्य - प्रो. अनंत कुमार नाथ, श्री सतीश विमल
संयोजन - डॉ. नयना

द्वितीय सत्र : पूर्वाह्न 10.30 बजे से 11.30 बजे तक
विषय - साहित्य-सृजन से राष्ट्र अर्चन
अध्यक्ष - डॉ. बल्देव भाई शर्मा, अध्यक्ष : राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, नई दिल्ली
मुख्य वक्ता - डॉ. कृष्ण गोपाल, वरिष्ठ साहित्यकार एवं सामाजिक चिंतक
संयोजन - प्रो. नन्द किशोर पाण्डेय

तृतीय सत्र : पूर्वाह्न 11.45 बजे से अपराह्न 01.15 बजे तक
विषय - कलाओं के संवर्धन में साहित्यकार की भूमिका

अध्यक्ष - डॉ. रिपुसूदन श्रीवास्तव
सान्निध्य - श्री राजनारायण शुक्ल, श्री हितेश शंकर
संयोजन - श्री अशोक बत्रा

चतुर्थ (समापन) सत्र : अपराह्न 3.00 बजे से 4.30 बजे तक

अध्यक्ष - श्री रवीन्द्र भारती
उद्बोधन - श्री योगेंद्र जी
मुख्य वक्ता - डॉ. अरविंद दीक्षित
संयोजन - श्री कमलेश मौर्या
आभार वक्तव्य - प्रो. नन्द किशोर पाण्डेय